ई-न्यूज़लेटर-3

आंतरिक सुरक्षा रणनीति प्रबंधन पाठ्यक्रम क्रम संख्या -71
20 - 25 फरवरी' 2023

आंतरिक सुरक्षा अकादमी, सीआरपीएफ द्वारा आंतरिक सुरक्षा रणनीति प्रबंधन पाठ्यक्रम क्र.सं.-71 का आयोजन किया गया। सीआरपीएफ/सीएपीएफ के उपमहानिरीक्षक रैंक के कुल 24 अधिकारियों ने इस कोर्स में भाग लिया।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य देश की वर्तमान आंतरिक सुरक्षा समस्याओं और उनसे निपटने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए सीआरपीएफ/सीएपीएफ, राज्य पुलिस और प्रशासन के उपमहानिरीक्षक स्तर के अधिकारियों को मंच प्रदान करना था।

श्री सुनील जून, निदेशक/महानिरीक्षक, आईएसए ने उद्घाटन की शोभा बढ़ाई। प्रतिभागियों को अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आंतरिक सुरक्षा के उभरते खतरों की पहचान करने और देश के सामने जटिल आंतरिक सुरक्षा समस्या के बारे में जागरूकता को तेज करने के बारे में बात की।

श्री डी एस राठौड़, उपमहानिरीक्षक प्रशासन, आईएसए, ने पाठ्यक्रम के समापन समारोह की शोभा बढ़ाई। उन्होंने कोर्स पूरा करने पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा से संबंधित मामलों में अपने व्यापक अनुभव को भी साझा किया।

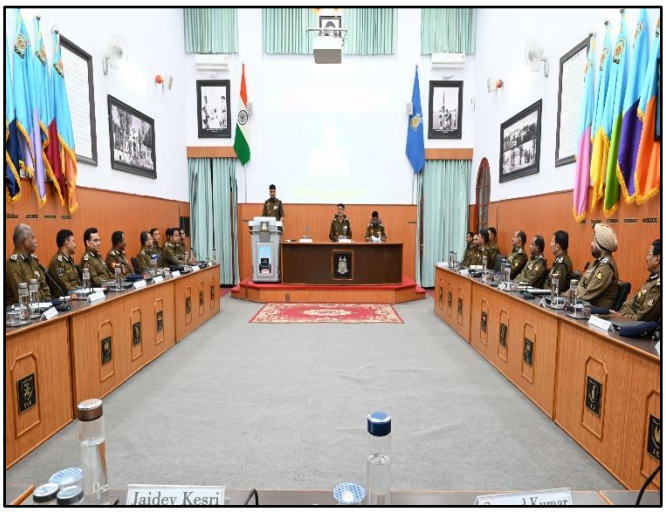

श्री सुनील जून, निदेशक/महानिरीक्षक, आईएसए, सीआरपीएफ द्वारा उद्घाटन ।

आईएसए के संकाय अधिकारीयों के अलावा, श्री एम एल कुमावत, पूर्व महानिदेशक, बीएसएफ, श्री चमन लाल, पूर्व महानिदेशक और पूर्व उपाध्यक्ष, एनएचआरसी, डॉ एन सी अस्थाना, पूर्व महानिदेशक, केरल और पूर्व अपर महानिदेशक बीएसएफ/सीआरपीएफ, श्री जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित वक्ता अनिकेत, उपमहानिरीक्षक, तटरक्षक, श्री पंकज कुमार, कमांडेंट, बीएसएफ, श्री वीवीएन प्रसन्ना कुमार, कमांडेंट, 6 एनडीआरएफ, श्री अखिलेश कुमार सिंह, उपमहानिरीक्षक, आरएपीओ, श्री नीलाभ श्रीवास्तव, पत्रकार, पीटीआई, नई दिल्ली, श्री अनुराग सिंह, पूर्व कमांडेंट , सीआरपीएफ श्री मुकेश चौधरी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, सुश्री धरती ढोलरिया, सहायक प्रोफेसर, आरआरयू, डॉ बी के बिन्नी सरीन, प्रबंधन सलाहकार, ने व्याख्यान दिया और प्रतिभागियों को ज्ञान से समृद्ध किया। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

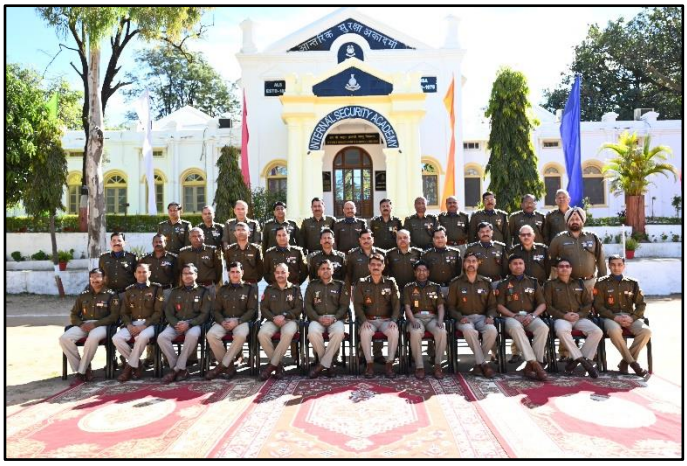

आईएसए के संकाय अधिकारियों के साथ पाठ्यक्रम प्रतिभागियों की समूह छायाचित्र।

श्री शुधांशु सिंह, उपमहानिरीक्षक प्रशिक्षण आईएसए, 'छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में वामपंथी उग्रवाद राज्यों में उभरते रुझान' पर सत्र लेते हुए।

श्री नीलाभ श्रीवास्तव, पत्रकार, पीटीआई, नई दिल्ली, 'मीडिया प्लानिंग, हाउ टू इंटरेक्ट विथ प्रिंट' विषय पर सत्र लेते हुए।

श्री एम एल कुमावत, आईपीएस (सेवानिवृत्त), पूर्व महानिदेशक, बीएसएफ, 'आंतरिक सुरक्षा की अवधारणा' पर सत्र लेते हुए।

श्री अनिकेत, उपमहानिरीक्षक, तटरक्षक, 'भारत की तटीय और समुद्री सुरक्षा से पहले की चुनौतियाँ- समकालीन दृष्टिकोण' विषय पर सत्र लेते हुए।

सुश्री धरती ढोलरिया, सहायक प्रोफेसर, आरआरयू, 'सूचना सुरक्षा: खतरे, जैसे साइबर हमले, और रोकथाम' पर सत्र लेते हुए ।

श्री मनीष कुमार, उप कमा, आईएसए, 'वित्त प्रबंधन: आयकर दिशानिर्देश और प्रक्रियाएं' पर सत्र लेते हुए।

श्री चमन लाल, पूर्व महानिदेशक और पूर्व उपाध्यक्ष, एनएचआरसी, 'मानवाधिकार - सामग्री और अवधारणा' पर सत्र लेते हुए।

डॉ एन सी अस्थाना, पूर्व महानिदेशक, केरल और पूर्व अपर महानिदेशक बीएसएफ/सीआरपीएफ, 'इंडिया: द थ्रेट्स फ्रॉम विदिन एंड विदाउट' पर सत्र लेते हुए।

श्री पंकज कुमार, कमांडेंट, बीएसएफ, 'सीमा प्रबंधन, चुनौतियां और उपचार' पर सत्र लेते हुए।

श्री वी वी एन प्रसन्ना कुमार, कमांडेंट, 6 एनडीआरएफ, 'एनडीआरएफ, जिला प्रशासन और पुलिस की भूमिका' पर सत्र लेते हुए।

श्री अखिलेश कुमार सिंह, उपमहानिरीक्षक, आरएपीओ, 'सार्वजनिक व्यवस्था प्रबंधन में समकालीन और उभरती प्रवृत्ति' पर सत्र लेते हुए।

श्री डी एस राठौड़, उपमहानिरीक्षक प्रशासन, आईएसए, सीआरपीएफ द्वारा समापन समारोह।